बुधवार
03 जनवरी 2024

पृष्ठ 4

दिनों-दिन आपका बच्चा भी बनता जा रहा है जिद्दी? इन तरीकों से आएंगे परिवर्तन

पृष्ठ 5

अभिनेत्री डॉट को आम पापड़, क्रॉशिया और बिल्लियों से है बेहद प्यार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 319
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होती और जागते रहने से भय नहीं होता।
– चाणक्य

पीएम कृषि सिंचाई योजना में करोड़ों का घोटाला

❑फर्जी लाभार्थी, फर्जी हस्ताक्षर कर किसानों से किया छल

विशेष संवाददाता

देहरादून। कृषि विभाग में करोड़ रुपए का हैरतअंगेज घोटाला सामने आया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत विभागीय अधिकारियों और संबंधित संस्था ने बिना किसी आवेदक के फर्जी तरीके से सारी कागजी प्रक्रिया को पूरा कर इस योजना का लाभ 200 से अधिक किसानों को दिया जाना दर्शाकर करोड रुपए डकार लिए गए और जब मामले का खुलासा होने लगा तो लाभार्थियों के घरों के सामने सामान फिंकवा कर उसे छिपाने का प्रयास किया। करोड़ के इस घोटाले के बारे में कृषि मंत्री का कहना है कि जांच कराई जाएगी और किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाएगा।

किसानों की आय दोगुना करने के लिए पीएम कृषि सिंचाई योजना लाई गई थी। जिसमें किसानों को सब्सिडी दी जाती है। यह योजना उन क्षेत्रों में किसानों के लिए लाभकारी है जहां सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की कमी होती है। इसके लिए, किसानों को प्लास्टिक के पाइप खेतों में बिछाने हुआ फुहारा पद्धति से फसलों को पानी दिया जाता है जिसमें कम पानी की जरूरत होती है। यह हैरान करने वाली बात है कि जब रायपुर ब्लॉक के गांव सिल्ला शेरा के कुछ किसान इस योजना की जानकारी और लाभ लेने के लिए ब्लॉक पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उन्हें तो इस योजना का लाभ पहले ही दिया जा चुका है। यह जानकार लोग हैरान थे कि जब उन्होंने आवेदन तक नहीं किया तो फिर यह कैसे हो गया। अधिक जानकारी निकाली गई तो गांव के 35-40 किसान इस योजना के लाभार्थी निकले जबकि धरातल पर किसी को इसका लाभ मिला ही नहीं है। किसानों को जब यह चिंता हुई कि कहीं उनसे इसकी रिकवरी न किए जाने लगे तब उन्होंने इसकी शिकायत कृषि विभाग के अधिकारियों से की। जिसके बाद कृषि विभाग में हड़कंप मच गया। मामले का खुलासा होता देख कृषि

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

❑कृषि मंत्री बोले होगी जांच, नहीं बचेंगे भ्रष्टाचारी

❑घोटाला खुला तो गांव में फिंकवाया सामान

मात्र 24 घंटों में बदले विधायक के सुर, वन मंत्री को बताया पिता तुल्य

हमारे संवाददाता

देहरादून। मंगलवार को मंत्री के आवास पर धरना, मंत्री पर जातिगत टिप्पणी का आरोप और फिर शाम को मुख्यमंत्री व आज प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद विधायक-मंत्री प्रकरण में पुरोला विधायक के सुर बदल गए हैं। विधायक दुर्गेश्वर लाल आर्य ने वन मंत्री सुबोध उनियाल को पिता तुल्य बताते हुए अपने व्यवहार पर खेद जताया है और कहा कि यह पारिवारिक मामला है, इसका जल्द ही हल हो जाएगा।

विदित हो कि उत्तरकाशी जिले के दो डीएफओ को हटवाने की मांग को लेकर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल और भाजपा के पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल के बीच तीखी बहस हो गई थी। बात यहां तक बढ़ गई कि जिस कागज पर वन मंत्री ने जांच के आदेश दिए थे, विधायक ने मंत्री के सामने ही वह कागज फाड़कर हवा में उछाल दिया। इसके बाद दुर्गेश्वर लाल मंत्री के आवास पर ही धरने पर बैठ गए। विधायक ने मंत्री पर जातिगत टिप्पणी का भी आरोप लगा दिया। इस पूरे मामले ने पार्टी और सरकार को असहज कर दिया था। जिसके बाद विधायक ने सीएम धामी से मुलाकात की और प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक को तलब किया था। विधायक दुर्गेश्वर लाल का धरना देना भाजपा प्रदेश नेतृत्व को नहीं सुहाया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक और वन मंत्री को शालीनता से अपनी बात रखने की हिदायत दी। इसके बाद आज विधायक दुर्गेश्वर लाल के सुर बदले बदले नजर आए। विधायक ने कहा कि जिस तरह एक बच्चा अपने पिता के पास अपनी समस्या लेकर जाता है, वैसे ही मैं भी गया था, ये एक पारिवारिक मामला है और जल्द ही इसका समाधान हो जाएगा। विधायक ने दस्तावेज फाड़ने के अपने व्यवहार पर खेद जताया।

घोड़े पर बैठ डिलीवरी देने निकला जोमैटो का डिलीवरी ब्वॉय

हैदराबाद । तेलंगाना के हैदराबाद स्थित चंचलगुड़ा से एक बेहद अनोखा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें दिखा कि कैसे जोमैटो का डिलीवरी ब्वॉय घोड़े पर सवार होकर खाना पहुंचाने जा रहा है। राह में जा रहे लोगों ने जब उससे कारण पूछा तो युवक ने कहा कि पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन थी। जिस कारण उसे बाइक पर पेट्रोल भरवाने में समय लग जाता। इसलिए उसे घोड़े पर सवार होकर डिलीवरी करना बेहतर लगा। भीड़-भाड़ वाले इलाके से जब युवक गुजरा तो सभी लोग दंग रह गए। बता दें कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा हिट एंड रन केस में नए प्रावधान लागू किए, जिसके तहत 7 लाख तक का जुर्माना और 10 साल तक की कारावास की सजा है। इस कानून के खिलाफ बीते मंगलवार को ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने देशव्यापी हड़ताल कर दी और पूरे देश में ट्रक व बसों का हड़ताल हो गया, जिसके चलते लोगों को भारी समस्या हुई। हालांकि, सरकार ने अभी यह ऐलान किया है कि यह नया कानून जल्द लागू नहीं होगा। बता दें, जोमैटो ब्वाय का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है।

बस-ट्रक की भिड़ंत में 14 की मौत, 27 घायल

गोलाघाट । असम के गोलाघाट जिले में हुई भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 27 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में से कई यात्रियों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची।

जानकारी के मुताबिक यह हादसा बुधवार सुबह गोलाघाट जिले के देरगांव के पास बालीजन गांव में हुआ है। हादसे के समय बस में 45 लोग सवार थे, जो तड़के 3 बजे अठखेलिया से बोगीबील पिकनिक मनाने के लिए निकले थे। इस दौरान सुबह करीब 5 बजे मार्घेरिटा से आ रहे कोयला भर्ती ट्रक की बस से भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम घायलों को लेकर जेएमसीएच पहुंची है, जिनमें से कई यात्रियों की हालत गंभीर है। पुलिस का कहना है कि बस में सवार सभी यात्री पिकनिक मनाने के लिए तिनसुकिया के तिलिंगा मंदिर जा रहे थे। घायलों का इलाज के लिए फिलहाल जोरहाट मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले 14 यात्रियों के शव बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक डेरगांव के पास जिस ट्रक से बस की टक्कर हुई वह मार्गेरिटा से आ रहा था और कोयले से भरा हुआ था, फिलहाल उसका ड्राइवर भी घायल बताया जा रहा है।

आजकल सर्दी और कोहरे की वजह से हादसे काफी बढ़ गए हैं। असम से पहले मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ था, यहां तेज रफ्तार हाईवा ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर में 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस भयंकर हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

अबकी बार 400 पार

भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में 'तीसरी बार मोदी सरकार अबकी बार 400 पार' के नारे के साथ जा रही है। भाजपा जिसने अपना सियासी सफर दो लोकसभा सीटों से शुरू किया था उसने 2019 के लोकसभा चुनाव से पूर्व नारा दिया था अबकी बार 300 पार। इस नारे के अनुकूल उसने 303 सीटों पर जीत दर्ज भी करने में सफलता हासिल कर ली थी। तब क्या भाजपा 2024 के चुनाव में 400 पार के नारे पर फिर इसी तरह का चमत्कार करने जा रही है। यह अभी सिर्फ सवाल ही है जिसका जवाब 2024 के नतीजे आने पर ही मिल सकेगा। लोकसभा में कुल 552 सीटें हैं अगर भाजपा 400 के पार जा सकती है तो इसका सीधा मतलब यह होगा कि विपक्ष का पूरी तरह सूपड़ा साफ। अभी लोकसभा में हुई घुसपैठ के मुद्दे पर संसद की सुरक्षा को लेकर जब तमाम विपक्षी दलों के सांसद हंगामा कर रहे थे तो पीठ द्वारा 146 सांसदों का संसद से निष्कासन कर दिया गया था तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन खाली निलंबित सांसदों की सीटों की ओर इशारा करते हुए कहा था कि चिंता मत कीजिए कुछ दिनों की बात है इन सभी सीटों को भर दिया जाएगा। उनका उस समय भी यही संकेत था कि अगर विपक्ष का रवैया ऐसा ही रहता है तो अगले चुनाव के बाद इन खाली सीटों पर भाजपा के सांसद बैठे दिखाई देंगे। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनने वाली पूर्ण बहुमत की सरकार के बाद 2019 में भी भाजपा ने 303 सीटें जीतकर गठबंधन की बैसाखी को तोड़कर फेंक दिया गया है। जनता दल यूनाइटेड और अकाली दल तथा शिवसेना जैसे सहयोगी भाजपा से छिटक चुके हैं इसके बावजूद भाजपा अपने विजय रथ पर न सिर्फ सवार है अपितु अबकी बार 400 पार के नारे के साथ चुनावी हुंकार भर रही है तो यह बेवजह नहीं है उसे अपनी ताकत और क्षमता पर यह भरोसा है कि अब उसे केंद्रीय सत्ता में बने रहने से कोई नहीं रोक सकता है और उसे शायद उन दलों की भी अब आवश्यकता नहीं है जो क्षेत्रीय दल उसके साथ है। वह उन्हें महज गठबंधन के नाम पर अपने कंधे पर लटकाये हुए हैं। बड़े-बड़े सपने देखने की बात करने वाले नरेंद्र मोदी क्या ऐसा ही कुछ बड़ा करने जा रहे हैं या फिर यह उनका अति आत्मविश्वास है या दंभ है इस पर अभी कुछ कहने का समय नहीं है लेकिन टारगेट 400 आसान काम नहीं है इसके लिए भाजपा को जम्मू कश्मीर से लेकर बिहार तक उत्तर भारत की सभी लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करनी पड़ेगी जो बहुत आसान काम नहीं है वहीं दक्षिण भारत के दो बड़े राज्यों कर्नाटक जहां अभी कांग्रेस की सरकार है व आंध्र प्रदेश में 10-10 सीटें जीतनी होगी। वही उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जहां उसने अभी विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज की है, विधानसभा चुनाव की तरह ही बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह ठीक है कि भाजपा जिसे लोग चार अहम मुद्दों के कारण वोट देते हैं वह चारों मुद्दे बहुत मजबूत हैं। हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के साथ-साथ अब केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे लोगों का बड़ा वोट बैंक भाजपा को वोट करता है और भाजपा के पास वर्तमान में जो सांगठनिक ताकत है उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि देश के लोकतंत्र पर कोई एक राजनीतिक दल कब्जा कर बैठ जाए? अबकी बार अगर भाजपा 400 पार कर लेती है तो 2029 के चुनाव में उसका नारा अबकी बार 500 पार होगा। अगर देश से विपक्ष का सफाया हो जाएगा तो उसका सीधा अर्थ लोकतंत्र का सफाया ही होगा। जिसके बाद तानाशाही शासन की शुरुआत होती है भाजपा और नरेंद्र मोदी बहुत पहले से कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते रहे हैं तब इसका मतलब भले ही देश के लोगों या विपक्ष की समझ में न आया हो लेकिन अब विपक्ष मुक्त भारत की ओर देश बढ़ रहा है तो यह सभी की समझ आ रहा है कि देश की राजनीति और भाजपा का यह विजय रथ किधर जा रहा है।

15 को नगर कीर्तन एवं 17 को गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व

संवाददाता

देहरादून। गुरू गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर 15 जनवरी को नगर कीर्तन निकाला जायेगा तथा 17 जनवरी को गुरू गोविन्द सिंह का प्रकाश पर्व मनाया जायेगा।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा गुरूद्वारा श्री गुरु नानक निवास, सुभाष रोड़ पर गुरुद्वारों एवं जत्थे बंदियों की हुई मीटिंग में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया कि श्री गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व 17 जनवरी को एवं नगर कीर्तन 15 जनवरी दिन सोमवार को निकाला जायेगा। सर्वत्र के भले की अरदास के पश्चात सेवा सिंह मठारु ने कार्यक्रम की रूप रेखा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नगर कीर्तन गुरूद्वारा करनपुर से 15 जनवरी को साढे बारह बजे दोपहर को आरम्भ हो सर्वे चौक, क्वालिटी चौक, घंटाघर, पल्टन बाजार, धामावाला बाजार, लक्खीबाग पुलिस चौकी से रात्रि करीब 8.0 बजे गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सम्पूर्ण होगा। गुरु गोबिंद सिंह जी का 357 वां प्रकाश पर्व गुरूद्वारा रेस कोर्स के खुले पंडाल में प्रातः 3.30 से दोपहर 3.30 बजे तक कथा-कीर्तन के रूप में मनाया जायेगा। हेडग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने कहा कि अमृत संचार 14 जनवरी को गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में प्रातः 8.0 बजे से धर्म प्रचार कमेटी करवाएगी। प्रसिद्ध रागी जत्थे एवं कथा वाचक संगत को मनोहर कीर्तन एवं गुर इतिहास श्रवण करवाएंगे। रात्रि का दीवान गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रात्रि के 10.0 बजे तक सजेगा स लंगर बनाने की सेवा में सभी को सहयोग करना चाहिए। सरदार देविंदर सिंह भसीन ने कहा कि नगर कीर्तन को सुचारु रूप से चलाने के लिए कार्यकर्ता पुलिस का सहयोग करेंगे एवं गतका पार्टियों को विशेष निर्देश दिये जाँएगे। लंगर बरताने के लिए और अधिक सेवदारों की सेवा ली जाएगी। गुरूद्वारा पटेल नगर के प्रधान सरदार हरविंदर सिंह ने कहा कि गुरुद्वारा पटेल नगर पूर्ण सहयोग करेगा। रेसकोर्स के प्रधान सरदार बलबीर सिंह ने कहा कि हर प्रकार का सहयोग पूर्व की भांति करेंगे। सरदार के एस चावला ने सभी को प्रकाश पर्व पर अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित किया। बिंद्रा ने कहा कि अपना फर्ज समझ कर सहयोग करना चाहिए। महासचिव सरदार गुलजार सिंह ने आये हुए सभी सज्जनों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया, गुरपूर्व सभी के सांझे होते है, इसलिए अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में पहुंच कर गुरु घर की खुशियाँ प्राप्त करे। इस अवसर पर प्रधान गुरबख्श सिंह राजन, महासचिव गुलजार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमोहिंदर सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह, मनजीत सिंह, सतनाम सिंह, देवेंदर सिंह भसीन, गुरप्रीत सिंह जोली, हरमोहिंदर सिंह, जगजीत सिंह, के एस चावला, जसबीर सिंह, हरजीत कौर, परमजीत कौर, राजिंदर सिंह राजा, गुरविंदर पाल सिंह सेठी, दलजीत सिंह, हेडग्रंथी भाई शमशेर सिंह, गुरमीत सिंह कैथ, हरप्रीत सिंह छाबड़ा, देविंदर सिंह बिंद्रा, जसपाल सिंह, गुरचरण सिंह, दलबीर सिंह कलेर, हरचरण सिंह, हरप्रीत सिंह, तिलक राज, उज्जवल सिंह, संतोख सिंह, कुलवंत सिंह आदि काफी संख्या में गुरुद्वारों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बसंत विहार थाना खाली करने व निर्माण ध्वस्त करने के आदेश पर रोक

संवाददाता

देहरादून। बसंत विहार थाने को खाली करने व निर्माण कार्य ध्वस्त कर भूमि को टी स्टेट को देने के आदेश पर जिला जज की अदालत ने रोक लगाते हुए अगली सुनवायी की तिथि तीन फरवरी की निहित की है।

मिली जानकारी के अनुसार देहरादून में बसंत विहार थाने की भूमि के संबंध में न्यायालय द्वितीय अपर सिविल जज (सीडी) देहरादून के न्यायालय में प्रचलित संपति वाद टी स्टेट बनाम राज्य सरकार में 29 नवंबर 23 को राज्य सरकार एवं पुलिस के विरुद्ध डिक्री करते हुए न्यायालय द्वारा उक्त भूमि का कब्जा 30 दिन में वादी को प्रदान करने एवं मौके पर निर्मित संपत्ति को ध्वस्थीकरण करने के आदेश पारित किए गए थे। न्

यायालय द्वारा जारी आदेश पर पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड द्वारा उक्त प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के पर्यवेक्षण में अपील कर प्रभावी पैरवी करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आदेश के अनुपालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल से प्रकरण की समस्त जानकारी लेकर एवं भूमि के संबंध में न्यायालय के निर्णय पर रोक लगाने हेतु क्षेत्राधिकारी नगर एवं थानाध्यक्ष थाना बसंत विहार को पैरवी हेतु नियुक्त किया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल के माध्यम से उक्त प्रकरण में जिला जज देहरादून के न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गयी, जिसमें न्यायालय जिला जज देहरादून द्वारा 02 जनवरी 24 को सुनवाई में पूर्व में निर्णीत आदेश पर रोक लगाकर अपील स्वीकृत की गई एवं सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 3 फरवरी 24 नियत की गई हैं।

उक्रांद युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार, ममगाई बने केन्द्रीय महामंत्री

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ के केन्द्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रविन्द्र ममगाई को केन्द्रीय महामंत्री मनोनीत किया।

आज उत्तराखंड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट द्वारा कार्यकरिणी का विस्तार किया गया, जिसमें रविंद्र ममगाई को केंद्रीय महामंत्री, उत्तम बिष्ट, सचिन थपलियाल, युवराज सामंत, संदीप जोशी, मुकेश कुंद्रा, गौरव रावत, विनीत सकलानी को केंद्रीय संगठन मंत्री बनाया गया, कमल चंद, योगेश शुक्ला, गणेश भट्ट, कृष्णा नंद भट्ट को केंद्रीय संयुक्त सचिव बनाया गया, प्रेम पड़ियार, पूजा पिर्साली को केंद्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गयी। नेहा उनियाल को केंद्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया, अर्जुन नेगी, विनोद सत्याल, दयाल नेगी, पंकज घिल्डियाल, अंकेश भंडारी, किशन बिहारी पंडित, पीयूष भट्ट को केंद्रीय प्रचार मंत्री बनाया गया। परवीन चंद रमोला को देहरादून महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया, दीपक मेहता को जिलाध्यक्ष बागेश्वर, ओम गोस्वामी को जिलाध्यक्ष डीडीहाट नियुक्त किया गया। राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि शीघ्र ही संपूर्ण प्रदेश में युवाओं को एकजुट कर जल, जंगल, जमीन और भू कानून, मूल निवास की लड़ाई को मजबूती के साथ लड़ा जायेगा। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री रविन्द्र ममगांई ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द नई शिक्षा नीति लागू करे व शिक्षा के बाजारीकरण पर रोक लगाए। केंद्रीय सचिव प्रेम पडियार ने कहा कि पूरे प्रदेश में युवाओं को दल से जोड़ने के लिए बृहद अभियान चलाया जाएगा। प्रेम पडियार ने उत्तराखंड के युवाओं से आह्वान किया कि वे उक्रांद से जुड़कर राजनीति में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी निभाएं।

इस अवसर पर प्रमिला रावत,रविंद्र ममगाई,गजेंद्र नेगी, पूजा पिरसाली, दिनेश नेगी, नैना लखेड़ा, विनीत सकलानी, भोला चमोली, शैलेन्द्र गुनसोला, श्याम रमोला, अनूप बिष्ट, विरेश चौधरी, भोला दत्त चमोली, प्रीति थापिलयाल, रीता क्षेत्री आदि उपस्थित रहे।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू रोड निवासी श्वेता चोपडा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 14 नवम्बर 2023 को वह भैया दूज मनाने में अपने मायके न्यू रोड देहरादून आई थी, तो उसका भाई द्वारा अपनी सम्पत्ति पर निर्माण कार्य कर रहा था, इतने में उसकी चाची मंजू चौपड़ा वीडियो और अपशब्द का प्रयोग किया, तो उसने कारण पूछा तो इतने में काशिश भण्डारी नाम का व्यक्ति आता है, तथा उसको और उसके भाई को धमकाने लगता है इस पर उसने कहा कि आप बाहर व्यक्ति हो हम आपको जानते नहीं है, आप क्यों हमें धमका रहे हैं इतने में उसकी चाची उसको गसीटते हुई ऐसी जगह ले जा रही थी जहां सीसीटीवी केमरे का फोकस नहीं था तथा कशिश भण्डारी द्वारा उसके साथ हाथापाई तथा छेड़छाड़ की गयी तथा उसको नीचे गिराया तथा मारा गन्दे शब्द गाली दी गई जिससे मेरे दाहिने पैर पर चोट लगी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नीतीश बचेंगे या खत्म होंगे ?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने अस्तित्व का संकट है। वे राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिल कर सरकार चला रहे हैं लेकिन राजद की ओर से उनको कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वे भाजपा के साथ जाना चाहते हैं लेकिन भाजपा को भी पूरी तरह से सरेंडर चाहिए। जानकार सूत्रों का कहना है कि राजद और भाजपा दोनों बिहार की राजनीति से नीतीश फैक्टर को खत्म करना चाहते हैं। असल में बिहार की राजनीति में पिछले करीब तीन दशक से नीतीश कुमार एक धुरी बने हुए हैं और वह भी बिना किसी मजबूत जातीय आधार के। उन्होंने 1994 में समता पार्टी बनाई थी और तब से वे बिहार के राजनीति के सबसे अहम किरदार हैं।

लेकिन अब दोनों बड़ी पार्टियां- राजद और भाजपा उनको खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी ओर से ऐलान किया है कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। लेकिन बताया जा रहा है कि लालू प्रसाद चाहते हैं कि नीतीश अभी तुरंत तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएं। यह भी कहा जा रहा है कि पिछले साल अगस्त में जब नीतीश ने भाजपा को छोड़ा था तब लालू प्रसाद के साथ उनका समझौता हुआ था कि वे एक साल में तेजस्वी को गद्दी सौंप देंगे। सो, लालू की ओर से नीतीश पर भारी दबाव है। लालू परिवार के कई सदस्य राज्य की सत्ता का केंद्र बने हैं, इससे भी नीतीश को समस्या है। इसके अलावा लालू की पार्टी के विधायक और मंत्री जैसे सुनील सिंह, चंद्रशेखर, सुधाकर सिंह आदि लगातार नीतीश के खिलाफ बयान दे रहे हैं। लालू प्रसाद को लग रहा है कि अगर तेजस्वी अभी सीएम नहीं बने तो बेटे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखने की उनकी हसरत पूरी नहीं होगी और अगर नीतीश फैक्टर बने रहे तो मंडल, समाजवादी और पिछड़ों की राजनीति पूरी तरह से राजद के हाथ में नहीं आएगी। दूसरी ओर भाजपा ने नीतीश फैक्टर को खत्म करने की कोशिश 2020 के विधानसभा चुनाव में भी की थी। तब वे भाजपा के साथ ही मिल कर चुनाव लड़ रहे थे लेकिन भाजपा की शह पर चिराग पासवान ने नीतीश की पार्टी के हर उम्मीदवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार दिया था। सोचें, तब नीतीश राजद-कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ तो लड़ ही रहे थे लोक जनशक्ति पार्टी के भी खिलाफ लड़ रहे थे, जिसके पीछे भाजपा की ताकत थी। भाजपा के अनेक बड़े नेता लोक जनशक्ति पार्टी की टिकट से चुनाव लड़े थे। फिर भी नीतीश 43 सीट जीत कर आए। लेकिन वे काफी कमजोर हुए और राजद व भाजपा के बाद तीसरे नंबर की पार्टी रह गए। तभी से वे भाजपा से बदला लेना चाहते हैं तो राजद को भी गद्दी नहीं देना चाहते हैं। इस बात को राजद और भाजपा दोनों ने समझा हुआ है। इसलिए कोई मौका नहीं देना चाहता है। भाजपा चाहती है कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ें, भाजपा का सीएम बनाएं तभी समझौता होगा। नीतीश सीएम रहते हुए तालमेल चाहते हैं और साथ ही लोकसभा के साथ ही विधानसभा का चुनाव कराना चाहते हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बाद में भाजपा फिर कोई चिराग पासवान टाइप का दांव न चले तो दूसरी ओर भाजपा चाहती है कि उनकी ऐसी हालत कर दी जाए कि वे फिर गठबंधन बदल नहीं कर सकें। सो, उनके एक तरफ कुआं और दूसरी ओर खाई है। (आरएनएस)

डीपफेक पर लगाम जरूरी

भारत में भी डीपफेक का इस्तेमाल कर ऐसे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जो सेलिब्रिटी हैं या फिर राजनीति से ताल्लुक रखते हैं। निर्विवाद रूप से यह नई तकनीक का दुरुपयोग है। यह एक तरह की आपराधिक गतिविधि भी है, जिस पर रोक लगाना अनिवार्य है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को इसे रोकने की जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। भारत सरकार के बारे में यह आम धारणा ठोस रूप ले चुकी है कि वह हर माध्यम और संस्था पर अपना शिकंजा कसना चाहती है। एक दूसरी धारणा यह है कि उसकी ऐसी हर कार्रवाई दलगत नजरिए से एकतरफा होती है। यही कारण है कि डीपफेक के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए उसकी जारी ताजा एडवाइजरी ने कई हलकों में गहरी आशंकाओं को जन्म दिया है। वरना, डीपफेक तकनीक को लेकर चिंताएं सारी दुनिया में हैं। लगभग सभी देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को विनियमित करने पर विचार हो रहा है। ऐसे में भारत सरकार भी ऐसे कदम उठाए, यह लाजिमी है। लेकिन उसके ऐसे कदम से समाज के एक हिस्से अंदेशे गहरा जाते हैं, तो उसका कारण सिर्फ सरकार का अपना रिकॉर्ड है। बहरहाल, केंद्र ने डीपफेक समस्या को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। उसने सभी सोशल मीडिया कंपनियों को सूचना प्रौद्योगिकी नियमों का पालन करने की सलाह दी है। इससे पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक एडवाइजरी जारी कर चुका है। एडवाइजरी में मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स को आईटी नियमों के तहत प्रतिबंधित कंटेंट को प्रकाशित ना करने के बारे में जागरूक करना चाहिए। यूजर्स को फर्जी वीडियो, मैसेज या कंटेंट डालने से रोकने का काम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का है। मकसद यह है कि ऐसी गतिविधि से अन्य यूजर्स को नुकसान ना हो। यह बताना भी इन्हीं प्लेटफॉर्म्स का दायित्व है कि आईटी कानून के नियम का पालन नहीं करने पर यूजर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बीते नवंबर में भी केंद्र ने एक आदेश जारी कर डीपफेक वीडियो की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए कहा था। यह सच है कि दुनिया के कई दूसरे देशों की ही तरह भारत में भी डीपफेक का इस्तेमाल कर ऐसे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जो सेलिब्रिटी हैं या फिर राजनीति से ताल्लुक रखते हैं। निर्विवाद रूप से यह नई तकनीक का दुरुपयोग है। यह एक तरह की आपराधिक गतिविधि भी है, जिस पर रोक लगाना अनिवार्य है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को इसे रोकने की जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। (आरएनएस)

तेजी से कम करना चाहते हैं वजन तो आज से ही खाना शुरू कर दें ये देसी फल

फल पोषक तत्वों का भंडार होते हैं। इन्हें खाने से सेहत दुरुस्त रहती है। रोजाना फलों के सेवन से कई तरह की परेशानियां शरीर से दूर रहती हैं। फलों में प्राकृतिक तौर पर कम कैलोरी पाई जाती है, जो वजन को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। सभी फलों में अमरूद बेहद फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कई बीमारियों का रिस्क कम हो सकता है। रोजाना इनके सेवन से वजन भी तेजी से कम होता है। चूंकि सर्दियों में ये फल मिलता है तो इस वक्त करीब 30 रु। किलो के हिसाब से मार्केट में मिल रहा है। आइए जानते हैं वजन कम करने में अमरूद क्यों इतना फायदेमंद है।

कम कैलोरी

वेट लॉस में अमरूद आपकी काफी मदद कर सकता है। इसे खाने से पेट देर तक भरा रहता है। इसमें काफी कम कैलोरी पाई जाती है। एक अमरूद में केवल 37-55 कैलोरी ही होती है। इनमें विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए वजन कम करने में ये फायदेमंद होता है।

प्रोटीन से भरपूर

अमरूद में भरपूर प्रोटीन मिलता है। प्रोटीन और फाइबर दोनों ही पचने में लंबा वक्त लेते हैं। इससे पेट काफी देर तक भरा रहता है। अमरूद में हाई फाइबर होता है, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने का काम कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 100 ग्राम अमरूद में 5.4 ग्राम फाइबर पाया जाता है, जो वजन कम करने में कारगत होता है।

शुगर और कोलेस्ट्रॉल कम करे

अमरूद कम जीआई वाला फल है, जो वेट मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाता है। यह ब्लड शुगर को बढने नहीं देता और हार्मोन को भी बैलेंस रखता है। डायबिटीज के मरीजों और बढ़े वजन वाले लोगों के लिे अच्छा हो सकता है। इसमें कोलेस्ट्रॉल भी काफी कम पाया जाता है, जो वजन कम करने का अच्छा विकल्प हो सकता है।

लंबे समय तक भरा रहता है पेट

अमरूद में मौजूद गुण पेट को देर तक भरा रखने में मदद करते हैं, जिससे शरीर का फैट कम हो सकता है। वजन कम करना चाहते हैं तो नियमित तौर पर अमरूद का सेवन करना चाहिए। शरीर के बढ़ते वजन को कंट्रोल करने में अमरूद काफी अच्छा विकल्प माना जाता है। हालांकि, किसी तरह की बीमारी में इसे सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।(आरएनएस)

शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म देवा का पहला शेड्यूल मुंबई में पूरा

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े स्टारर अपकमिंग फिल्म देवा ने मुंबई में अपना पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है।

मुंबई में फिल्माई गई देवा के लिए शूटिंग अक्टूबर 2023 में शुरू हुई थी। निर्माताओं ने फिल्म के पहले शेड्यूल के पूरा होने की पुष्टि करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। फिल्म का निर्माण रॉय कपूर फिल्म्स और ज़ी स्टूडियोज के सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है। इससे पहले, थप्पड़, मेड इन हेवन और दोबारा फेम अभिनेता पावेल गुलाटी देवा के कलाकारों में शामिल हुए थे। यह फिल्म एक विद्रोही पुलिस की मनोरंजक कहानी को उजागर करने के लिए तैयार है।

इसके बारे में बात करते हुए, पावेल ने एक बयान में कहा- मैं इस शानदार यात्रा को शुरू करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं।

कैसे लगायें डार्क रंग की लिपस्टिक

जब मेकअप की बात आती है तो हम सभी इसका समर्थन करते हैं और आधुनिक ट्रेंड के साथ जाना चाहते हैं। कुछ ऐसे उत्पाद और रंग होते हैं जिनके उपयोग से आपके लुक में बहुत अधिक बदलाव दिखाई देता है। डार्क लिपस्टिक एक ऐसी ही एक चीज़ है। डार्क लिपस्टिक लगाना सामान्यत: भयभीत करने वाला माना जाता है तथा यह एक सशक्त भी प्रदान करता है अत: इसे अच्छे से लगाना बहुत महत्वपूर्ण है। इस लेख में हम आपको बताएँगे कि डार्क रंग की लिपस्टिक कैसे लगायें। डार्क लिपस्टिक का चुनाव करना एक निर्भीक कदम माना जाता है। रंग का चुनाव करना भी महत्वपूर्ण होता है अत: आपको रंगों के ऊपर भी ध्यान होगा।

उदाहरण के लिए जब तक आप काले रंग की लिपस्टिक नहीं लगायेंगे तब तक आप नहीं जान पायेंगे कि यह कैसी दिखती है। आखिरकार ये सब उपाय आपकी सुंदरता को बढ़ाने के लिए ही तो किये जा रहे हैं। डार्क रंग की लिपस्टिक कैसे लगायें यह जानने के लिए यह लेख पढ़ें।

होंठो की लाइनिंग करें पहले होंठों की सूखी परत निकाल लें तथा लिप बाम लगाकर उन्हें मॉस्चराइज़ करें। इसके बाद लिप पेन्सिल का उपयोग करें। इस लिप लाईनर की सहायता से होंठों की सीमा बनायें। आप सामान्य लिप लाईनर या न दिखने वाले लिप लाईनर का उपयोग कर सकती हैं।

होंठों को भरें सामान्यत: लिपस्टिक के बजाय लिप लाईनर अधिक समय तक टिकता है। अत: इस बात का ध्यान रखें कि लिपस्टिक लगाने के पहले लिप लाईनर अवश्य लगायें। इससे यदि आपकी लिपस्टिक थोड़ी हल्की भी हो गयी तो भी लिप लाईनर के कारण वह एक समान दिखेगी। अत: पहले लिप लाईनर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है।

होंठों को फैलाकर लिपस्टिक लगायें लिपस्टिक लगाते समय अपने होंठों को अच्छी तरह से फैलाएं। इससे होंठों के प्रत्येक भाग पर लिपस्टिक अच्छी तरह लग जायेगी। डार्क लिपस्टिक लगाने का यह सबसे आसान तरीका है। सोखें तथा फिर से लगायें आपको सिर्फ इतना करना है कि टिशु पेपर या टॉयलेट पेपर का एक टुकड़ा लेकर उसे दोनों होंठों के बीच में दबाएँ। इसके बाद लिपस्टिक की एक और परत लगायें। इससे लिपस्टिक एक समान रूप से लग जायेगी। किनारों को साफ़ करें यदि आपकी लिप लाइन अच्छी नहीं है तो कंसीलर या लिपस्टिक के रंग के लिप लाईनर से होंठों की सीमा बनायें। इससे आपको एक अच्छा लुक मिलेगा। यदि आपके पास कोई सलाह है तो उसे कमेन्ट सेक्शन में हमारे साथ बाँटें।

यह एक नई चुनौती

यह बात स्वीकार करने की जरूरत है कि तकनीक के विकासक्रम को रोका नहीं जा सकता। जो काम किया जा सकता है, वो यह है कि नई चुनौती के मद्देनजर नीतियां तैयार की जाएं और अर्थव्यवस्था के स्वरूप को नई परिस्थितियों के अनुरूप ढाला जाए। भारत में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या पहले से ही गंभीर है। अब ऊपर से एक नई परिस्थिति आ खड़ी हुई है। खबर है कि जानी-मानी कंपनी वन-97 कम्युनिकेशन लिमिटेड पेटीएम ने अपने सेल्स और इंजीनियरिंग समेत कई विभागों में छंटनी की है। कंपनी प्रवक्ता के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) अपनाने के कारण सेल्स और इंजीनियरिंग में ज्यादातर नौकरियां प्रभावित हुई हैं। साफ है कि एआई के कारण कंपनियों में ऑटोमेशन की प्रक्रिया काफी तेज होने जा रही है। इससे कंपनियों में उत्पादकता को बढ़ती जाएगी, लेकिन रोजगार के अवसर सिकुड़ेंगे। इससे समाज में गैर-बराबरी और बढ़ेगी। गैर-बराबरी से भी बड़ी समस्या यह है कि चूंकि रोजगार के अवसर कम होते जाएंगे, इसलिए घोर अभाव में जीने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी।

एक अमेरिकी शोधकर्ता ने कुछ समय पहले दावा किया था कि आने वाले कुछ ही सालों में एआई इंसान से 80 प्रतिशत तक नौकरियां छीन सकता है। बहरहाल, यह बात स्वीकार करने की जरूरत है कि तकनीक के विकासक्रम को रोका नहीं जा सकता। ना ही आधुनिकतम तकनीक को अपनाने से किसी को रोकना संभव है। जो काम किया जा सकता है, वो यह है कि नई चुनौती के मद्देनजर नीतियां तैयार की जाएं और अर्थव्यवस्था के स्वरूप को नई परिस्थितियों के अनुरूप ढाला जाए। लेकिन यह तभी संभव है, जब इस रूढ़ सोच से नीति निर्माता बाहर निकलें कि अर्थव्यवस्था में सरकार की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। चुनौती यह है कि अगर निजी क्षेत्र तकनीक प्रेरित उत्पादकता वृद्धि के जरिए अपने मुनाफे को बढ़ाने की राह पर जा रहा है, तो सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के जरिए समाज में किस प्रकार का हस्तक्षेप करे, जिससे सभी लोग बुनियादी सुविधाओं के साथ जी सकें। इसके लिए जरूरी होगा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन जैसे क्षेत्रों को फिर से सार्वजनिक क्षेत्र में लिया जाए और वहां विशाल पैमाने पर निवेश हो। सार्वजनिक क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा का मजबूत ढांचा भी खड़ा करना जरूरी होगा। इस मकसद से संसाधन जुटाने के लिए, सरकारें चाहें, तो एआई प्रेरित उत्पादकता वृद्धि से बढने वाले मुनाफे पर ऊंचा टैक्स लगा सकती हैं। वरना, सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ता जाएगा। (आरएनएस)

गीता श्लोक वाचन प्रतियोगिता व सम्मान समारोह आयोजित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विद्वत् सभा द्वारा सनातन धर्म सभा, गीता भवन, देहरादून में गीता श्लोक वाचन प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ । जिसमें मुख्य अतिथि गौ कृपा कांक्षी, सन्त गोपाल मणि महाराज ने कहां कि गवां च ब्राह्मणानां च ब्रह्मणैव द्विधा कृतम् अर्थात गो एवं ब्राह्मण को एक कुल का बताकर उनके संरक्षण हेतु हमे उद्यम करना चाहिए। ज्योतिषपीठ व्यास पदालंकृत आचार्य शिव प्रसाद ममगाई ने सभा की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति की प्रशंसा की। यज्ञ रत्न पदालंकृत आचार्य नित्यानन्द सेमवाल ने कहां कि हमने 100 यज्ञ का संकल्प लिया हैं जिसमें 50 से अधिक संपन्न हो चुके हैं। विद्वत् सभा के हम सदैव तन मन धन से समर्पित रहेंगे।

परशुराम चतुर्वेद विद्यालय, देहरादून के संस्थापक आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि गीता का स्वाध्याय घर घर होना चाहिए। केदार-बद्री मन्दिर समिति के वेदपाठी आचार्य रविन्द्र भट्ट् ने कहा कि संस्कृत एवं संस्कृति के हमें सदैव तत्पर रहना हैं । समाज सेवी कमलेश उनियाल ने गीताप्रतियोगिता जैसे आयोजनों से ही हम अपने शास्त्रों के प्रति लोगों का अभिमुखीकरण कर सकतें हैं। सभा द्वारा इन सभी विद्वज्जनों का स्वागत सत्कार कर सम्मान किया गया।

वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान कार्तिक देवरानी परशुराम चतुर्वेद विद्यालय देहरादून, द्वितीय स्थान आयुष शर्मा परशुराम चतुर्वेद विद्यालय देहरादून, तृतीय स्थान कुमारी सिया सलवान पब्लिक स्कूल,राजेंद्र नगर, दिल्ली, कनिष्ठ वर्ग में मानवभारती इंटर नेशनल स्कूल, नेहरू कोलोनी, कक्षा छठी की छात्र सृष्टि ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान आदित्य भट्ट एवं परशुराम चतुर्वेद विद्यालय, देहरादून के अनन्त बहुगुणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्रतिभागी, अभिभावक, उत्तराखंड पुरोहित समाज के अध्यक्ष प्रेम विजोला सहित पदाधिकारी, गीता भवन के गणमान्य जन, गीतानुरागी सामाजिक जन, विद्वज्जन समुपस्थित रहें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिनों-दिन आपका बच्चा भी बनता जा रहा है जिद्दी? इन तरीकों से आएंगे परिवर्तन

बच्चे जिद्दी क्यों हो जाते हैं हर छोटी बात पर रोना, कहे गए काम को करने के लिए जिद करना, अपने विचार को मानवाने के लिए कहीं भी रोना शुरू करना, अक्सर माता-पिता के लिए समस्या बन जाता है। आज के माता-पिता इस बात से बड़ी स्थिति में संघर्ष कर रहे हैं। क्योंकि बच्चे घर से बाहर जाना कम कर रहे हैं, दोनों माता-पिता काम कर रहे हैं और बच्चे पूरे दिन घर में बोर हो रहे हैं। इस प्रकार, उनका सारा ऊर्जा गलत जगह पर जा रही है। जो मुद्दा अक्सर देखा गया है कि माता-पिता और बच्चों के बीच में विवाद के रूप में है, वह यह है कि परिवार के सदस्य कहते हैं कि बच्चे बहुत जिद्दी हो गए हैं, जबकि उन्हीं बच्चे कहते हैं कि उनके माता-पिता उन्हें समझते नहीं हैं।

बच्चों के माता-पिता अक्सर बचपन में होने वाली जिद के साथ संघर्ष करते हैं। यदि आप उनमें से एक हैं, तो हम लाए हैं कुछ सुझाव जिन्हें अपनाकर आप अपने जिद्दी बच्चे को बुद्धिमान बना सकते हैं। तो इंतजार किस बात का है, चलिए समझते हैं कि जिद्दी बच्चे के साथ कैसे निपटा जाए।

पसंद और नापसंद

हर बच्चा जो किसी चीज के लिए रो रहा है वह जिद्दी नहीं है। अक्सर जब आप उन पर अपनी पसंद को थोपते हैं, तो वे कमजोर होकर उसे इनकार करते हैं। जो बच्चा अपनी पसंद और नापसंद के लिए जागरूक होते हैं, वह जिद्दी नहीं है। इस प्रकार की स्थिति में, किसी कदम के पहले यह जानना महत्वपूर्ण है कि आपका बच्चा जिद्दी है नहीं। जिद्दी बच्चे अपने बातों पर ही रहते हैं और आपकी सुनने को तैयार नहीं होते वे होते हैं जिद्दी।

बहस के लिए तैयार

जिद्दी बच्चे हमेशा बहस के लिए तैयार रहते हैं, इसलिए आपको उन्हें इस अवसर की अनुमति नहीं देनी चाहिए। बजाय इसके, अपने बच्चे की सुनें। जब आप उसकी सुनना शुरू करते हैं, तो वह भी आपकी तरफ ध्यान देने की कोशिश करेगा।

नियम

जिद्दी बच्चों के साथ कुछ नियम बनाए। उन्हें समझाएं कि वे नियमों को तोड़ने पर उन्हें कैसे हानि होगी। यदि आप अपने बच्चे को नियमित रूप से अनुशासित करते हैं, तो इससे उसकी जिद्दीपन में कमी होने में मदद होगी।

बच्चों पर चिल्लाएं नहीं

माता-पिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि वे अपने बच्चों पर चिल्लाएं नहीं और अगर बच्चे जिद्दी हैं तो वे ऐसा कभी नहीं करें। यदि आप शांत रहेंगे, तो बच्चे ज्यादा शोर नहीं करेंगे और आप उन्हें सही और गलत के बीच अंतर को समझा सकेंगे।(आरएनएस)

दुनियाभर में मची डंकी की धूम!

शाहरुख खान की फिल्म डंकी का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा जारी है. सालार के धुआंधार कलेक्शन के बीच डंकी दुनियाभर में करोड़ों कमा रही है. फिल्म 21 दिसंबर 2023 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और अब हर रोज घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी दमदार कमाई कर रही है. एक तरफ जहां शाहरुख खान की फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है तो वहीं वर्ल्डवाइड 250 करोड़ के पार हो गई है.डंकी ने पहले दिन वर्ल्डवाइड 58 करोड़ रुपए कमाए थे. दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 103.4 करोड़ रुपए रहा. तीसरे दिन फिल्म ने दुनियाभर में 157.22 करोड़ और चौथे दिन 211.13 करोड़ की कमाई की. अब पांचवे दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आ गया है. डंकी के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि फिल्म ने 5 दिनों में दुनियाभर में कुल 256.40 करोड़ की कमाई की है.

शाहरुख खान स्टारर डंकी के बजट की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये 85 करोड़ रुपए की बजट लागत से बनी है. वहीं प्रिंट और प्रमोशन का खर्च लेकर इसका बजट कुल 120 करोड़ रुपए हो गया है. डंकी को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है और शाहरुख खान ने पहली बार डायरेक्टर के साथ काम किया है।

डंकी के स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं. वहीं उनके साथ तापसी पन्नू की केमिस्ट्री दिखाई गई है जो दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

शब्द सामर्थ्य -050

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

कैटरीना-विजय सेतुपति की फिल्म मेरी क्रिसमस का टाइटल ट्रैक हुआ रिलीज

'टाइगर 3' की ग्रैंड सक्सेस एंजॉय कर रही कैटरीना कैफ जल्द ही 'मेरी क्रिसमस' से एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। इस फिल्म में कैटरीना पहली बार साउथ एक्टर विजय सेतुपति संग स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगीं। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं इन सबके बीच मेकर्स ने 'मेरी क्रिसमस' का टाइटल ट्रैक जारी कर दिया है।

'मेरी क्रिसमस' के सॉन्ग का ऑडियो क्लिप रिलीज हो गया है मेकर्स ने कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की तस्वीरों के साथ ऑडियो क्लिप रिलीज किया है। इसे शेयर करते हुए, टिप्स ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर लिखा, परफेक्ट स मेरीक्रिसमस गाना 12 जनवरी को सिनेमाघरों में है। बता दें कि 'मेरी क्रिसमस' के लेटेस्ट रिलीज हुए टाइटल ट्रैक को ऐश किंग ने गाया है और इसका म्यूजिक प्रीतम ने दिया है। इस सॉन्ग को काफी पसंद किया जा रहा है।

बता दें कि मेरी क्रिसमस का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। वे इससे पहले बदलापुर और अंधाधुन जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था और इसने सभी को हैरान कर दिया था। लोगों से इसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म में विजय और कैटरीना की केमिस्ट्री में काफी फ्रेशनेस है और ये दर्शकों को इंप्रेस कर सकती है।

मेरी क्रिसमस को अलग-अलग सपोर्टिंग आर्टिस्ट के साथ दो भाषाओं में शूट किया गया है। हिंदी वर्जन में संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा कन्नन और टीनू आनंद भी हैं। दूसरी ओर, तमिल एडिशन में राधिका सरथकुमार, शनमुगराजा, केविन जय बाबू और राजेश विलियम्स ने अहम रोल प्ले किया है। बता दें कि मेरी क्रिसमस 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सालार और डंकी के हल्ला बोल के बीच रणबीर कपूर की एनिमल की कमाई जारी

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म एनिमल की सफलता का आनंद उठा रहे हैंइसमें उनकी जोड़ी पहली बार साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है, जिसे खूब प्यार मिल रहा हैसंदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शुरुआत से धुआंधार कारोबार करने के बाद अब डंकी और सालार के सिनेमाघरों में दस्तक देते ही एनिमल की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है। एनिमल जब से आई है, उसे लेकर दर्शक 2 गुटों में बंट गए हैंएक वर्ग है, जो रणबीर के अभिनय की तारीफ कर रहा है। दूसरा वर्ग फिल्म में महिलाओं के चित्रण से नाराज हैइसके बावजूद यह फिल्म शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और चौथे सप्ताह में भी फिल्म की दीवानगी दर्शकों के सिर चढकर बोल रही हैएनिमल की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद निर्माताओं ने इसकी दूसरी किस्त का ऐलान कर दिया है।

रोशन कनकला की बबलगम मूवी को मिला ए सर्टिफिकेट

प्रसिद्ध राजीव कनकला और सुमा कनकला के वंशज रोशन कनकला, युवा और जीवंत मनोरंजन फिल्म बबलगम के साथ फिल्म उद्योग में एक शानदार प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। अपनी प्री-रिलीज़ चर्चा में एक अप्रत्याशित मोड़ जोड़ते हुए, फिल्म को सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) द्वारा ए सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। यह बबलगम को दिसंबर रिलीज़ की दिलचस्प कंपनी में रखता है, एनिमल और सलार के बाद इस तरह का वर्गीकरण प्राप्त करने वाली यह तीसरी फिल्म है। उद्योग अब इस बात को लेकर अटकलों से भरा हुआ है कि क्या यह ए प्रमाणपत्र युवा दर्शकों के लिए एक चुंबक के रूप में काम करेगा। फिल्म के स्वागत पर इसके संभावित प्रभाव के सवाल का जवाब समय के साथ ही दिया जाएगा। बबलगम के पीछे की टीम फिल्म में जेनजेड रिश्तों की जटिल गतिशीलता की खोज पर जोर देने के साथ-साथ आत्म-सम्मान के संरक्षण के महत्व पर विषयगत जोर देने के लिए उत्सुक है। प्रतिभाशाली रविकांत परेपु द्वारा निर्देशित, फिल्म एक कहानी को उजागर करती है जहां रोशन कनकला मानसा चौधरी के साथ स्क्रीन साझा करते हैं, जो उनकी रोमांटिक रुचि की भूमिका निभाती है। दो होनहार अभिनेताओं के बीच तालमेल, परेपु की निर्देशन दृष्टि के साथ मिलकर, एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करता है। पर्दे के पीछे, बबलगम को माहेश्वरी मूवीज़ और पीपल मीडिया फ़ैक्टरी के सहयोगात्मक प्रयासों से जीवंत किया गया है, जो निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं। फिल्म का संगीतमय परिदृश्य श्रीचरण पकाला की रचनाओं से समृद्ध है, जो कहानी कहने में गहराई जोड़ता है, जबकि सुरेश रागुतु की सिनेमैटोग्राफी कथा के सार को दृश्य रूप से पकड़ती है।

अभिनेत्री डॉट को आम पापड़, क्रॉशिया और बिल्लियों से है बेहद प्यार

द आर्चीज से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री-गायिका डॉट ने अपने बारे में ऐसी कई रोचक बातें बताई जो शायद कोई नहीं जानता। उन्होंने बताया कि उन्हें क्रोचेट्स, बिल्लियां और आम पापड़ बेहद प्यारे हैं।

डॉट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने बारे में कुछ बातें बताते हुए एक वीडियो शेयर किया। क्लिप में डॉट को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हाय, मैं डॉट हूं और ये पांच चीजें हैं जो आप मेरे बारे में नहीं जानते हैं। इसके बाद उन्होंने अपने जीवन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी तो मेरे पास किशमिश और ड्रीम नाम की दो बिल्ली थी।

डॉट ने फिर कहा, मैं क्रोचेट्स (क्रॉशिया) में बहुत अच्छी हूं। मैं अमिगुरुमी खिलौने बनाती हूं और इसमें मैं काफी अच्छी हूं। मुझे आम पापड़ और काला आम पापड़ पसंद है। मुझे ट्रांसपोर्टेशन पसंद है। डॉट ने यह भी बताया कि उन्हें डांस करना पसंद है। साथ ही कहा कि मुझे साल्सा बहुत पसंद है।

डॉट ने द आर्चीज में एथेल की भूमिका निभाई, जिसमें वेदांत रैना, अगस्त्य नंदा, सुहाना खान और खुशी कपूर जैसे कई अन्य कलाकार भी हैं।

उन्होंने खुशी पर फिल्माए गए सभी चार डियर डायरी थीम लिखा और गाया है, साथ ही खुशी के चरित्र को अपनी आवाज दी है, एसिमेट्रिकल गीत गाया और संगीतबद्ध किया है। उन्होंने अन्य दो चार्टबस्टर्स ढिशूम ढिशूम और सुनो भी गाए हैं।

नेट साड़ी में बेहद खूबसूरत लगीं जान्हवी कपूर

जाह्नवी कपूर पॉपुलर स्टार किड्स में से एक हैं। उन्होंने अपने ही दम पर एक खास पहचान हासिल की हैं। एक्ट्रेस ने अपनी अदाकारी के साथ-साथ बोल्डनेस और स्टाइलिश लुक्स से भी लोगों को अपना दिवाना बनाया है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जाह्नवी का लेटेस्ट फोटोशूट एक बार फिर चर्चा में हैं।

जाह्नवी कपूर ने हाल में ही अपने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस साड़ी पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की साड़ी पर पर्ल और कुंदन का वर्क है, जो बेहद खूबसूरत लग रहा है। एक्ट्रेस ने अपना लुक डायमंड टॉप्स और सिंपल बन से पूरा किया है। एक्ट्रेस के फोटोज शेयर करते ही, सभी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई हैं। लोगों को जाह्नवी कपूर का ये लुक बेहद पसंद आ रहा हैं। यूजर्स जमकर फोटोज पर लाइक और कमेंट की बारिश कर रहे हैं। दूसरी ओर जाह्नवी के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय एक्ट्रेस के पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं। जल्द ही उन्हें मिस्टर एंड मिसेज माही टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है। इसके अलावा वह देवरा और उलझ फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं। जाह्नवी के चाहने वाले उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

उर्वशी रौतेला का पार्टी लुक हुआ इंटरनेट पर वायरल

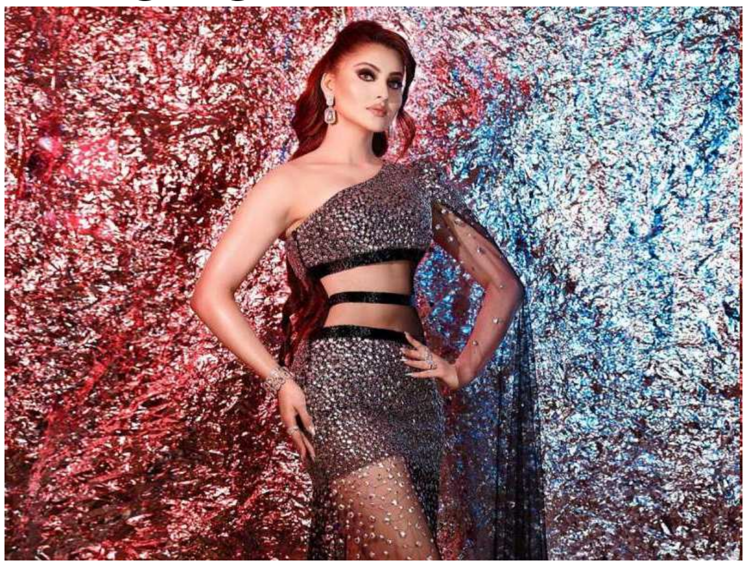

उर्वशी रौतेला एक्टिंग और मॉडलिंग दोनों ही दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी बोल्ड इमेज और स्टाइलिश गेटअप के लिए सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में उर्वशी आनंद पंडित की बिर्थदय पार्टी में दिखीं जहां उन्होंने अपने शानदार लुक से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।

बॉलीवुड इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस के बारे में चर्चा की जाए जो अपने ग्लैमर्स से फैंस के दिलों की धडकने बढ़ाती रहती हैं तो उसमें उर्वशी रौतेला का नाम जरूर शामिल होगा। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ टच में रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने पिछले दिनों अपने अकाउंट पर एक इवेंट से तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में उर्वशी रौतेला ब्लैक कलर की स्टाइलिश आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। फैंस उर्वशी रौतेला की इन लेटेस्ट तस्वीरों के देखकर उनके हुस्न के दीवाने हो रहे हैं और वे उनकी इन फोटो पर जमकर लाइक और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल एक्ट्रेस फेमस फिल्माकर आनंद पंडित के जन्मदिन पर उनकी पार्टी में पहुंची थीं।

इस पार्टी में बी-टाउन के कई सेलेब्स नजर आए थे। गदर 2 स्टार सनी देओल की फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वालीं उर्वशी रौतेला अपनी फिल्मी करियर में ग्रेट ग्रांड मस्ती और सनम रे जैसी कई मूवीज में नजर आ चुकी हैंमीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि एक्ट्रेस साउथ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी संग फिल्म कांतारा 2 में अहम किरदार प्ले करती नजर आ सकती हैं।

विपक्ष के लिए नाम प्रोजेक्ट करना जरुरी नहीं

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन में अब इस बात पर बहस हो रही है कि अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले विपक्ष की ओर से कौन चेहरा होगा? कुछ समय पहले तक लग रहा था कि यह मुद्दा नहीं बनेगा, लेकिन 'इंडिया' की नई दिल्ली में हुई चौथी बैठक में अनायास ममता बनर्जी ने यह मुद्दा उठा दिया था। उन्होंने प्रस्तावित किया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडके को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बना कर विपक्ष को चुनाव लडऩा चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने इसका समर्थन किया। यह गठबंधन के भीतर बने दबाव समूह का काम था, जिसका निशाना राहुल गांधी की दावेदारी सामने आने से पहले ही उसे पंक्चर करने का था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उसके बाद से यह चर्चा शुरू हो गई है और अखबारों में लेख लिखे जाने लगे हैं कि विपक्ष के लिए क्या अच्छा होगा। राजनीतिक विश्लेषकों की जमात इस पर बंटी हुई है लेकिन ज्यादातर ने खड़गे का समर्थन किया है और नरेंद्र मोदी के मुकाबले उनका चेहरा पेश करके लडऩे को अच्छा विकल्प माना है।

इस बहस से दो सवाल खड़े होते हैं। पहला, क्या सचमुच विपक्षी गठबंधन को प्रधानमंत्री पद का दावेदार पेश करके चुनाव लडऩा चाहिए? और दूसरा, अगर दावेदार पेश करना है तो क्या खडके सबसे अच्छा विकल्प हैं? दूसरे सवाल का जवाब बहुत आसान है लेकिन उस पर बाद में आएंगे। पहले इस सवाल पर विचार की जरूरत है कि क्या विपक्ष को चेहरे की जरुरत है? इसका भी जवाब बहुत जटिल नहीं है। विपक्ष को नरेंद्र मोदी के मुकाबले कोई चेहरा पेश करने की जरुरत नहीं है। इसके कई ठोस कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि विपक्ष के पास अभी जो चेहरे हैं वो मोदी का विकल्प नहीं हो सकते हैं। उन्हीं चेहरों की प्रतिक्रिया में तो जनता मोदी को लगातार चुन रही है। जब भी किसी व्यक्ति से मोदी के विकल्प के बारे में बात करें तो वह कहता मिलेगा कि मोदी को नहीं तो क्या राहुल को चुन दें, केजरीवाल को चुन दें, मायावती को चुन दें या लालू को चुन दें। उसकी बातों से ऐसा प्रतीत होगा कि वह राजनीति के तमाम पुराने चेहरों से ऊबा हुआ है और उनकी प्रतिक्रिया में मोदी को चुन रहा है।

मोदी के मुकाबले कोई बहुत लोकप्रिय और स्वीकार्य चेहरा नहीं होने के अलावा कोई चेहरा उतारने में दूसरी समस्या यह है कि ज्यादातर चेहरों को केंद्र सरकार की एजेंसियों की कार्रवाई और मीडिया के प्रचार से भ्रष्ट या परिवारवादी साबित किया जा चुका है। कांग्रेस से लेकर आम आदमी पार्टी, सपा, राजद, डीएमके, शिव सेना, एनसीपी सहित तमाम विपक्षी पार्टियों के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। सबको ईडी या सीबीआई ने बुला कर पूछताछ किया है या पूछताछ के लिए समन जारी किया हुआ है। अगर ऐसा कोई नेता प्रोजेक्ट होता है तो उससे कोई सकारात्मक मैसेज नहीं बनेगा और उलटे चेहरा सामने आते ही केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो जाएगी।

तीसरी समस्या यह है कि जैसे ही एक चेहरा प्रोजेक्ट होगे वैसे ही बाकी प्रादेशिक पार्टियों और उनके समर्थकों की चुनाव में दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। जिस राज्य का नेता प्रोजेक्ट किया जाएगा उस राज्य में तो हो सकता है कि माहौल उसके पक्ष में बने लेकिन बाकी राज्यों में उसके नाम पर वोट मिलने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में किसी के पास ऐसा नेता नहीं है, जो पिछले 20 साल या उससे ज्यादा समय से देश का प्रधानमंत्री बनने की तैयारी में राजनीति कर रहा हो या जिसकी पूरे देश में अपील हो। नरेंद्र मोदी नब्बे के दशक से यह राजनीति कर रहे थे। ढाई दशक की तैयारी और प्रतीक्षा के बाद वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर प्रस्तुत हुए थे। विपक्ष के पास ऐसा कोई नेता नहीं है। मोदी ने अपनी ब्रांडिंग हिंदुत्व के अखिल भारतीय आईकॉन की तरह की थी। लेकिन विपक्ष के किसी नेता की अखिल भारतीय राजनीति को ध्यान में रख कर ऐसी ब्रांडिंग नहीं हुई है।

राहुल गांधी इसके अपवाद हैं। कांग्रेस के अखिल भारतीय जनाधार और उनकी भारत जोड़ो यात्रा से उनकी ब्रांडिंग ऐसी हुई है। लेकिन उनके साथ मुश्किल यह है कि भाजपा ने अपने प्रचार के दम पर पिछले 10 साल में उनको नासमझ और अपरिपक्व नेता के तौर पर ब्रांड किया है और साथ ही यह धारणा बनवाई है कि वे जबरदस्ती राजनीति में उतारे गए हैं। ऊपर से नेशनल हेराल्ड केस का मामला है, जिसमें वे जमानत पर हैं। तीसरे, उनकी मां सोनिया गांधी की पृष्ठभूमि के जरिए राहुल को इटली से जोड़ा जाता है। राहुल के अलावा विपक्ष के लगभग सभी नेता अपने राज्य और जाति-समुदाय के दायरे में बंधे हुए हैं। इसलिए मोदी के मुकाबले किसी को भी पेश करते ही पलड़ा मोदी के पक्ष में झुक जाएगा। एक तरफ मोदी की लार्जर दैन लाइफ छवि है, जिसे बड़ी मेहनत से गढ़ा गया है तो दूसरी ओर एक एक राज्य में सिमटे ऐसे नेता हैं, जिनकी छवि भ्रष्ट और परिवारवादी नेता की बना दी गई है।

अब सवाल है कि विपक्ष अगर चेहरा पेश करके नहीं लड़ता है उसके क्या फायदे और नुकसान हैं? नुकसान तो यह है कि अगर विपक्षी पार्टियां किसी नेता को प्रोजेक्ट करके चुनाव नहीं लड़ती हैं तो भाजपा बार बार पूछेगी कि मोदी के मुकाबले विपक्ष का चेहरा कौन है? विपक्षी बारात का दूल्हा कौन है यह भी पूछा जाएगा। लेकिन 'मोदी के मुकाबले अमुक' की बजाय 'मोदी के मुकाबले कोई नहीं' का नैरेटिव कम नुकसानदेह है। क्योंकि तब विपक्षी गठबंधन की तमाम प्रादेशिक पार्टियां अपने अपने राज्य में अपने नेता के नाम पर चुनाव लड़ पाएंगी। प्रादेशिक नेता अपने असर वाले राज्य में नैरेटिव बना सकते हैं कि अगर विपक्ष जीतता तो वे भी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। प्रादेशिक पार्टियां राज्यों में अस्मिता का कार्ड खेल सकती हैं। बंगाल में ममता बनर्जी देश के पहले बंगाली प्रधानमंत्री का दांव चल सकती हैं तो महाराष्ट्र में शरद पवार पहले मराठी और कर्नाटक में मल्लिकार्जुन खड़गे पहले कन्नड़ प्रधानमंत्री का दांव खेल सकते हैं। यह दांव विधानसभा चुनाव में भाजपा हर जगह खेलती है। अभी पांच राज्यों में उसने दस-दस दावेदार बना दिए थे। इसका फायदा उसको हुआ था। लोकसभा चुनाव में एक दावेदार की बजाय कई दावेदार होने का फायदा 'इंडिया' को मिल सकता है। हालांकि भाजपा यह धारणा बनवाएगी कि अगर इनको जिताया तो खींचतान होगी और बारी बारी से सब प्रधानमंत्री बनेंगे लेकिन एक चेहरा प्रोजेक्ट कर लडऩे से पहले ही हार जाने की बजाय कोई चेहरा नहीं पेश करके सामूहिक नेतृत्व में लडऩा ज्यादा बेहतर रणनीति होगी।

जहां तक दूसरे सवाल यानी खडके को दावेदार बना कर लडऩे की बात है तो वह अच्छी रणनीति नहीं होगी। इससे उत्तर और दक्षिण का विभाजन बढ़ाने का भाजपा को मौका मिलेगा। विपक्ष दक्षिण भारत तक सिमटेगा और उत्तर, पूर्वी व पश्चिमी भारत में भाजपा 80 फीसदी से ज्यादा सीटें जीतेगी। खडके अगर दावेदार बन कर उत्तर भारत के किसी राज्य से लड़ते भी हैं तो उनका माहौल मोदी की तरह व्यापक नहीं होगा। मोदी हिंदू आईकॉन की तरह लड़े थे, जबकि खडके दलित पहचान के साथ लड़ेंगे। इसके बावजूद उत्तर, पूर्वी और पश्चिमी भारत के दलित उनके साथ जुड़ेंगे इसमें संदेह हैं। ऊपर से दलित अस्मिता का ज्यादा प्रचार हुआ तो नुकसान यह होगा कि पिछड़े, आदिवासी और सवर्ण सब नाराज होंगे। यह नहीं हो सकता है कि दलित नेता का चेहरा आगे कर रहे हैं तो पिछड़े, आदिवासी साथ आ जाएंगे। जमीनी स्तर पर उनका आपसी सामाजिक संघर्ष बहुत गहरा है। दलित अगर दबंग पिछड़ी जातियों से प्रताड़ित हैं तो बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित ज्यादातर राज्यों में दलित एक्ट के तहत मुकदमा झेल रहे लोगों में बड़ी संख्या पिछड़ी जातियों के लोगों की है। सो, इनकी राजनीतिक एकता मुश्किल है। एक समस्या खडके की उम्र को लेकर भी है। वे 82 साल के हैं इसलिए युवा मतदाताओं में जोश जगाने का काम वे नहीं कर सकते हैं। हालांकि मोदी भी 73 साल के हैं लेकिन अपनी बातों और एजेंडे से उन्होंने युवाओं को दिवाना बनाया हुआ है।

सू- दोकू क्र.050

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.49 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

श्री राम आ रहे हैं!

अजय दीक्षित

अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बन कर लगभग तैयार है। बाबरी मस्जिद विवाद के बाद सन् 2020 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जो स्थान हिन्दू पक्ष को मिला था वहां एक भव्य राम मंदिर लगभग बनकर तैयार है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार केन्द्र सरकार को एक समिति बनानी थी जो राम मंदिर के निर्माण को तैयार करेगी। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश श्री गोगाई को केन्द्र की संस्तुति के बाद राष्ट्रपति ने राज्य सभा में नामित भी किया था। कुल मिलाकर ऐसा माहौल तैयार किया गया है मानो श्री राम का भव्य मंदिर केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बनवा रहा है। टी.वी. चैनलों में आ रहा है कि योगी जी आये दिन मन्दिर का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि प्रगति को जांच सकें। दिवाली पर कई लाख %दिये% जलाकर रिकार्ड कायम किया जा रहा है। कोई भी टी.वी. चैनल या प्रिन्ट मीडिया विज्ञापन की आय के बिना चल नहीं सकता । इसी से मजबूरी से या स्वार्थवश लगभग सभी टी.वी. एंकर सत्ताधारी पार्टी के गुणगान में लगे रहते हैं। इसी से उन्हें प्रधानमंत्री या अन्य मंत्रियों के साथ विदेश जाने का हवाई सफर मिल जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने जब आपातकाल घोषित किया था, तब मात्र एक अंग्रेजी दैनिक ने खुलकर प्रतिरोध किया था, और उसे इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा। तब 26 जनवरी को आयोजित कवि सम्मेलन में राज सत्ता का ही गुणगान सुनाई पड़ता था। इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों का जो नरसंहार हुआ उस पर स्पष्टत- कौन सा टी.वी. वालों?

अस्तु, अब 22 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री मोदी श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं। हिन्दुत्व की दुन्दुभी बजाने वाले भी नहीं जानते कि 22 जनवरी 2024 को पौष शुक्ल द्वादशी है । हिन्दू शास्त्रों में पूर्णिमा और एकादशी का विशेष महत्व माना जाता है। 13 जनवरी के पंचक प्रारंभ हो रहे हैं। 21 जनवरी को पुत्रदा एकादशी है । उस दिन पौष शुक्ल एकादशी है, दक्षिण भारत में उसे बैकुण्ठ एकादशी भी कहते हैं। उस दिन रोहिणी नक्षत्र है। फिर भी इस आयोजन में लगे पदाधिकारियों ने कुछ सोच समझकर 22 जनवरी तय की होगी।

देश में अधिकृत पांच शंकराचार्य हैं। चार शंकराचार्य चार पीठों के--- रामेश्वरम, द्वारिका, बद्रीनाथ और पुरी । कॉंची कामकोटि पीठ आदि शंकराचार्य की स्थली है। अत- वहां के शंकराचार्य बहुत प्रतिष्ठित माने जाते हैं। यूं अब बहुत से संत महात्मा अपने को शंकराचार्य लिखते हैं शंकराचार्यों के पास जो दण्ड रहता है वह शुचिता का प्रतीक है। अब आयोजकों ने प्रधानमंत्री से प्राण प्रतिष्ठा करवाना उचित समझा तो यह भी ठीक है। श्री मोदी जी के युग में काशी, मथुरा और अयोध्या का समुचित विकास हुआ है।

राम की परिभाषा है- रावणस्य मरणं राम- रावण का रा और मरण का म लेकर राम बना । कबीर कहते हैं --दशरथ सुत तिहु लोक बखाना।

राम नाम का मरम न जाना ।

राम का स्मरण सद् वृतियां जगाती है । असल में सबके अपने-अपने राम हैं । मीरा जब कहती हैं-

पायो रे मैंने राम रतन धन पायो। तो वे दशरथ पुत्र राम को नहीं कृष्ण को याद करती है। कृष्ण भक्ति में उनके राम छिपे हैं। कबीर के राम भी दशरथ पुत्र नहीं है कबीर के राम हैं -

रमन्ते योगिन: यस्मिन् ।

नानक के राम हैं-

राम रहीम पुरान कुरान।

अनेक कहे मत एक न मान्यो।।

राम सर्वव्यापी, सर्व कालिक, सर्व देशीय सदा सर्वत्र हैं। अत- सभी को उत्सव में भाग लेना चाहिए। शायद इस देश के छ- अल्पसंख्यकों--सिख, जैन, बौद्ध, मुसलमान, ईसाई और पारसी के लोगों को भी बुलाया गया होगा। यह भी याद रखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए भी स्थान निर्धारित किया था। उसके निर्माण के बाद भी ऐसा ही भव्य आयोजन होगा और किसी दीनी को मक्का या मदीना से बुलाकर उस मस्जिद का उद्घाटन करवाया जायेगा। सभी को 22 जनवरी को राम प्रतिष्ठा पर बधाई। इति शुभम्।

मोबाइल लेकर फरार, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बात करने के लिए मोबाइल मांगकर फरार होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार म्यूनिसिपिल रोड निवासी रामजी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के पास ही खडा था तभी एक ई-रिक्शा चालक ने उससे बात करने के लिए मोबाइल मांगा तो उसने उसको अपना मोबाइल दे दिया। इसी दौरान उसका ध्यान दूसरी तरफ गया तो वह उसको मोबाइल लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर खडी साईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी साईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार खडगमाफ श्यामपुर निवासी दिनेश ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी साईकिल (सनबर्ड) घर के बाहर खडी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी साईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पांच किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने पांच किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने आईडीपीएल कैनाल रोड गेट के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से पांच किलो 100 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम हीरा लाल पुत्र रामनारायण प्रसाद निवासी जादोपुर पूर्वी चंपारन बिहार बताया।

शराब पिलाने पर रेस्टोरेंट स्वामी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब पिलाने पर रेस्टोरेंट स्वामी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने गुलरघाटी रोड बालावाला में एक रेस्टोरेंट में छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते हुए पाया। पुलिस को देख शराब पी रहे लोग वहां से फरार हो गये। पुलिस ने रेस्टोरेंट स्वामी शांति विहार चौक निवासी इंद्रजीत उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीएम कृषि सिंचाई योजना में करोड़ों..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

विभाग के भ्रष्टाचारी अफसरों ने गांव में रातों-रात प्लास्टिक के पाइप और अन्य संयंत्र लोगों के घरों के सामने फिंकवा दिए गए। ग्रामीणों का कहना है कि जो योजना के लाभार्थी है उनमें से कुछ लोग पहले ही मर चुके हैं यही नहीं एक महिला के नाम से योजना का लाभ दिया गया जो अनपढ़ है और जिसे हस्ताक्षर करने नहीं आते। आवेदन फार्म पर उसके भी हस्ताक्षर कर दिए गए। भले ही मामला अभी एक ब्लॉक और एक गांव में सामने आया हो लेकिन यह योजना कई जिलों और ब्लॉक में होने की बात कही जा रही है, घोटाले को 2022-23 में अंजाम दिया गया है। बताया यह भी गया है कि इस मामले का पता एक आरटीआई के माध्यम से हुआ है। कृषि संरक्षण अधिकारी और इस योजना से संबंधित कंपनी ने बिना किसी आवेदक के सत्यापन के किसानों को योजना का फर्जी लाभार्थी दर्शाकर करोड रुपए हड़पने के इस मामले में एक और बात यह है कि इस योजना का पैसा लाभार्थियों को नगद उसके बैंक खाते में ट्रांसफर नहीं किया जाता विभाग अनुबंध कंपनी द्वारा काम किए जाने पर कंपनी को पैसा कृषि विभाग द्वारा भुगतान किया जाता है जो यह बताता है कि यह फर्जीवाड़ा दोनों की मिली भगत से ही हुआ है। चर्चा यह भी है कि राज्य के अन्य जिलों व ब्लाकों में भी इस योजना में बड़ा फर्जी वाड़ा हुआ है जो जांच में ही पता चलेगा।

भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगाः जोशी

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी का कहना है कि भ्रष्टाचारी चाहे कोई भी हो और कितना भी बड़ा क्यों न हो यहां राज्य में पुष्कर सिंह धामी की सरकार है जिसकी भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। जो भी दोषी होगा उसे बक्शा नहीं जाएगा। जोशी का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी। यह हैरान करने वाली बात ही है कि रायपुर ब्लॉक का गांव सिल्ला शेरा उनके ही चुनाव क्षेत्र में आता है। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस वाली सरकार के समय में जिस तरह से भ्रष्टाचार के एक के बाद एक मामले सामने आ रहे हैं वह भाजपा के भ्रष्टाचार पर प्रहार के दावों की भी कलई खोलते हैं।

ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने हड़ताल में साथ देने वाले संगठनों का जताया आभार

संवाददाता

देहरादून। देहरादून ट्रांसपोर्ट आपरेटर यूनियन के संरक्षक सूर्यकान्त धस्माना व अन्य पदाधिकारियों ने प्रस्तावित कानून के विरोध में साथ देने वाले संगठनों व दलों का आभार व्यक्त किया।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए देहरादून टासपोर्ट आपरेटर यूनियन के संरक्षक सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि परिवहन सचिव अरविन्द सिंह हयांकी , सचिव मुख्यमंत्री व आयुक्त गढवाल अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था एवं आरटीओ के साथ उत्तराखण्ड के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने चर्चा कर प्रधानमंत्री व गृह मंत्री के लिए ज्ञापन दिया गया।

उन्होंने कहा कि उनका व्यवसाय ड्राइवरों से जुडा ही नही बल्कि मूल आधार है। वह अपने सारथियों को अपने व्यवसाय का पारिवारिक अंग मानते हैं। आखिर सारथियों की जीत हमारी जीत है। बैठक में एआइएमटीसी के एमस मेम्बर व प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूया प्रसाद उनियाल, सचिव आदेश सैनी, एमसी मेम्बर मधुसूदन बलूनी, ट्रांसपोर्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, सरदार जसविन्दर सिंह, राजेश अग्रवाल, राजेश गुप्ता, देहरादून ट्रक आपरेटर यूनियन के दिनेश नागपाल, योगेश गम्भीर, शाहिद हुसैन, उत्तराखण्ड बस आपरेटर महासंघ के मनोज ध्यानी, उत्तराखण्ड परिवहन महासंघ के सुधीर राय, हिलट्रक आपरेटर यूनियन के बडोनी, गजेन्द्र नेगी, ऋषिकेश ट्रक आपरेटर यूनियन के दिनेश बहुगुणा, टीजीएम ओके नेगी, देवभूमि बिल्डिंग मैटीरियल सप्लायर एवं ट्रक आपरेटर कल्याण समिति के हरेन्द्र बालियान, दून कल्याण समिति से अनिल पाण्डेय, मनजीत, अशोक गुलियाना, एवं सम्बन्धित सभी सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ में जिन लोगों ने उनके ड्राइवर साथियों का व उनका साथ दिया। जिन अन्य संगठनों ने अपना प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से साथ दिया अपने-अपने स्थान पर रह कर प्रस्तावित कानून का विरोध किया और उनके सारथियों को समर्थन दिया वह उनके आभारी हैं।

उन्होंने कहा कि यदि प्रस्तावित कानून सारथियों एवं उनको व्यवसाय के अनुकूल नहीं होगा वह अपनी एकता का प्रदर्शन करेंगे। प्रेसवार्ता में अनुसूया प्रसाद उनियाल व अन्य मौजूद थे।

मारपीट व धारदार हथियार से वार करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर धारदार हथियारी से वार करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रा कालोनी चुक्खुवाला निवासी अमित गौतम ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक जनवरी को रात्री लगभग दसबजे दुध लेकर आ रहा था तभी उसने अपनी दुकान के पास कमल, कुन्नू दोनो ने उसको रोका व बिना वजह के गाली गलोच करने लगे व उसके साथ हाथापाई करने लगे जिसमे अमन चौटाला (कुन्नू) ने उसके सिर पर चापड से वार कर दिया। जिसमे वह गम्भीर रुप से घायल हो गया इतने मे बीच बचाव करने उसका भाई व मां आये व इन लोगो ने इन पर भी चापड व डन्डो से वार कर दिया जिससे की उसके भाई के मुहँ पर चापड मार कर वार करा जिसे की दाँत हिल गये व मां के दोनो हाथो पर चोट आई है।

स्मैक तस्करी में दो गिरफ्तार, 22 ग्राम स्मैक बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। स्मैक तस्करी मामले में एएनटीएफ टीम व पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 22 ग्राम स्मैक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एएनटीएफ टीम व थाना मुखानी पुलिस ने एक सूचना के बाद क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संयुक्त टीम को लाल डॉट रोड बगीचे के पास दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने को कहा गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 22 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मोहित कांडपाल पुत्र नवीन चंद कांडपाल निवासी गायत्री नगर फेस, कुसुमखेड़ा थाना मुखानी व दीपक सिंह उर्फ गुलशन पुत्र बुधपाल सिंह निवासी नियर लिटिल फ्लावर स्कूल लाल दांट रोड थाना मुखानी बताया। बताया कि यह स्मैक वह राजपुरा की एक महिला से खरीद कर लाते है जिसे वह काठगोदाम तथा मुखानी क्षेत्र में बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर लिया है।

जगद्गुरु शंकराचार्य ने दिया मूल निवास-भू कानून को अपना समर्थन

संवाददाता

देहरादून। मूल निवास-भू कानून के संघर्ष को जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने अपना समर्थन दिया।

आज यहां मूल निवास-भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के मूल निवास स्वाभिमान आंदोलन का जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने समर्थन दिया है। उन्होंने संघर्ष समिति की टीम को आंदोलन के लिए शुभकामनाएं दी। उत्तराखंड स्थित चारधामों की शीतकालीन पूजा स्थलों की यात्रा समाप्ति के अवसर पर चंडी घाट हरिद्वार में मूल निवास-भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि समिति की मांगे न्यायोचित और संवैधानिक हैं। मांगों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द इन मांगों को मान लेना चाहिए। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों से कहा कि इसी तरह जनहित के मुद्दे उठाकर राज्य के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएं। इस मौके पर समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि हमारी टीम सनातन धर्म के शिखर पुरुष और क्रांतिकारी साधु के रूप में देश में विख्यात शंकराचार्य से आशीर्वाद पाकर अभिभूत है। निश्चित रूप से उनसे मिली सकारात्मक ऊर्जा हमारा आत्मबल बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी सरकारों ने शीतकालीन यात्रा शुरू करने की पहल की थी, लेकिन इसके पीछे सरकार के अपने निहितार्थ थे। लेकिन जब किसी संत द्वारा यात्रा का श्रीगणेश किया जाता है तो वह निस्वार्थ होती है। शंकराचार्य द्वारा शुरू की गई इस पहल से जहां उत्तराखंड में आध्यात्मिक और धार्मिक ज्योति जलती रहेगी, वहीं स्थानीय लोगों को निरंतर रोजगार मिलता रहेगा। इस अनूठी पहल के लिए उत्तराखंड का जनमानस आजीवन शंकराचार्य जी का ऋणी रहेगा। पौड़ी गढ़वाल के पोखड़ा ब्लॉक के पूर्व प्रमुख एवं संघर्ष समिति के सदस्य सुरेंद्र रावत ने कहा कि शंकराचार्य जी के आशीर्वाद से हम अपने आंदोलन को जन-जन तक ले जायेंगे। उत्तराखंड देवभूमि है और देवताओं के आशीर्वाद से हम सभी अपने हक के लिए लड़ रहे हैं।

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के डीजीपी के ट्रांसफर पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू को बुधवार को बड़ी राहत दी है। उनके ट्रांसफर संबंधी हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि मामले की अगली सुनवाई हाईकोर्ट में होगी। वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी संजय कुंडू को हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद से स्थानांतरित करने के लिए राज्य सरकार को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने आदेश में कुंडू को 26 दिसंबर के आदेश की वापसी के वास्ते उच्च न्यायालय में जाने के लिए छूट प्रदान की। पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक पीठ ने कहा कि जब तक आदेश वापसी के आवेदन का उच्च न्यायालय निस्तारण नहीं करता, तब तक राज्य डीजीपी के पद से कुंडू के तबादले के निर्देश पर स्थगन रहेगा। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से आग्रह किया कि दो सप्ताह के अंदर आदेश वापसी के आवेदन को निस्तारित किया जाए। उच्च न्यायालय ने एक कारोबारी पर दबाव डालने की कोशिश करने के आरोपों के बाद कुंडू को डीजीपी पद से स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। इस आदेश को चुनौती देने वाली कुंडू की याचिका पर सुनवाई के लिए शीर्ष अदालत ने मंगलवार को सहमति जता दी थी।

तमंचे से फायर कर दबंगई दिखाना पड़ा भारी, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। तमंचे से फायर कर दबंगई दिखाना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीती 25 अक्टूबर को धर्मपुर झबरेडा निवासी सतवीर पुत्र स्व. रामपाल भाठी द्वारा थाना झबरेड़ा में तहरीर देकर बताया गया था कि एक युवक अदनान व बाइक सवार उसने अन्य साथियों द्वारा उनकी दुकान में फायर किया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में पुलिस को पता चला कि नाबालिक युवको का ट्युशन के दौरान विवाद होने के चलते नाबालिक के मित्र अदनान द्वारा अपने अन्य साथी सुहैल व अन्य 3 नाबालिक युवको के साथ मिलकर वादी पक्ष को डराने व दबंगाई दिखाने के उद्देश्य से तमंचे से फायर किया गया था। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बीती शाम आरोपी अदनान पुत्र अलीखान निवासी ग्राम बालेकी युसुफपुर को घटना में प्रयुक्त तमंचा 315 बोर व 1 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि प्रकाश में आये अन्य आरोपी व 3 विधि विवादित किशोरों के विरुद्व विधिक कार्रवाई जारी है।

एसटीएफ ने डेढ किलो चरस के साथ ड्रग्स डीलर को गिरफ्तार किया

देहरादून (सं)। एसटीएफ ने डेढ किलो चरस के साथ एक अन्तर्राज्यीय ड्रग्स डीलर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार अभिनव कुमार के दिशा निर्देशन पर एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा ड्रग्स डीलरों के विरुद्व कार्यवाही के आदेश के क्रम में सीओ एसटीएफ कुमाऊँ सुमित पांडे एवं प्रभारी निरीक्षक एएनटीएफ पावन स्वरुप के नेतृत्व में ए.एन.टी.एफ टीम(एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) द्वारा गत रात्रि को कार्रवाई करते हुए जनपद नैनीताल के थाना खन्स्यु क्षेत्रअंतर्गत एक अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब एक किलो 534 ग्राम अवैध चरस बरामद की गयी। गिरफ्तार आरोपी पिछले कई सालों से उत्तराखंड में चरस की सप्लाई कर रहा था. गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया गया कि वह यह चरस अपने गांव के ही व्यक्ति से खरीद कर हल्द्वानी काठगोदाम क्षेत्र में छात्रों को बेचने जा रहा था. दूसरे व्यक्ति के बारे में जानकारी की जा रही है। एएनटीएफ टीम द्वारा आरोपी को सिमलिया बैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेंद्र मेवाड़ी उर्फ राजू पुत्र स्वर्गीय देव सिंह मेवाड़ी निवासी ग्राम कालाआगर थाना खन्स्यु जनपद नैनीताल बताया।

नाबालिग युवक की हत्या का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर हुई नाबालिग युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से मृतक का मोबाइल व खून सनी टीशर्ट भी बरामद की गयी है। हत्या का मुख्य कारण अवैध संबन्धों में बाधा बनना व करोड़ों की सम्पत्ति का लालच बताया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि बीती एक जनवरी को बाल्मिकी बस्ती थाना कनखल निवासी संयोगिता पत्नी स्व. जितेन्द्र द्वारा अपने बेटे यश उर्फ कृष उम्र 17 वर्ष की हत्या के सम्बन्ध में थाना कनखल में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि 31 दिसंबर को मृतक यश उर्फ कृष उर्फ सिटी नए साल की खरीददारी करने अपनी मां संयोगिता के कहने पर अमित कटारिया उर्फ खली के साथ शाम 5 बजे के आसपास कनखल के लिए निकला था। देर रात तक कृष तो घर वापस न लौटा लेकिन देर रात करीब 1 बजे अमित कटारिया मृतक की मां सयोगिता के मिस्सरपुर वाले घर पर आया और बताया कि कृष शायद अपने दोस्तों के साथ चिलम फुंकने गया है। जिसके बाद अमित ने अगली सुबह नाटक करते हुए एक स्थान से कृष का शव बरामद करवा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि नाबालिग युवक की हत्या की गयी है। जिसके सिर पर चोटों व गले पर निशान बने थे। जिस पर पुलिस ने संभावित हत्यारोपी अमित कटारिया को बीती शाम दबोच लिया।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि आरोपी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि मृतक की मां संयोगिता उसकी रिश्ते

❑अवैध सम्बन्ध व करोड़ों की सम्पत्ति बनी हत्या का कारण

में चाची लगती है जो अपने पति के मरने के बाद कनखल स्थित मकान में अपने इकलौते बेटे के साथ रहती थी तथा हत्यारोपी के अपनी चाची संयोगिता के साथ अवैध सम्बन्ध थे। मौहल्ले में अवैध संबंधों की चर्चा चलने पर संयोगिता द्वारा एक मकान मिस्सरपुर में बनवाया गया। जिस कारण अब दोनों को तालुकात बनाने में कोई दिक्कत नहीं थी।

एसएसपी ने बताया कि आरोपी की नजर संयोगिता के कनखल एवं मिस्सरपुर स्थित सवा करोड़ से ऊपर की संपत्ति पर थी जिसका एकलौता वारिस कृष था। गत दो माह से कृष संयोगिता और अमित कुमार को मिलने में मना करता था इस बात की जानकारी भी संयोगिता ने अमित को दी थी। संपत्ति के लालच और अवैध संबंधों में बाधा बनने के चलते अमित ने कृष की हत्या की योजना बनायी और इस योजना को अमलीजामा पहनाते हुए उसे 31 दिसंबर की रात अपने साथ ले गया और सबसे पहले अपने परिचित राहुल और विशाल के साथ मिस्सरपुर के आसपास चारों ने शराब पी। शाम 7 बजे के आसपास अमित ने उन दोनों लड़कों को घर भेज दिया और यश को ज्वालापुर खरीददारी के लिए ले गया। उसके बाद यश को बैरागी के पास ले जाकर फिर शराब पिलाई और जब कृष नशे में हो गया तो पहले रस्सी से गला दबाकर और फिर सिर पर पत्थरों से वार कर उसकी हत्या कर दी।

एसएसपी ने बताया कि तत्पश्चात आरोपी ने शव और स्कूटी बैरागी के पास ढलान में नीचे नदी की ओर लुढ़का दी ताकि घटनाक्रम को एक्सीडेंट का रूप दिया जा सके। आरोपी की निशादेही पर पुलिस ने मृतक यश उर्फ कृष का मोबाईल फोन व आरोपी अमित के द्वारा पहनी गयी टीशर्ट बरामद की है। एसएसपी ने बताया कि हत्यारोपी अभियुक्त अमित कटारिया उर्फ खली पुत्र अशोक कटारिया निवासी रविदास बस्ती थाना कनखल जनपद हरिद्वार का निवासी है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

❑10 बाइक बरामद, एक फरार, छापेमारी जारी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर चोरी की दस बाइकें बरामद की गयी है। मामले में आरोपी का साथी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती एक जनवरी को नीरज कुमार निवासी किशनपुर जमालपुर द्वारा थाना भगवानपुर में ई एफआईआर के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गयी थी कि उनकी बाइक बीती 30 दिसम्बर को अज्ञात चोर द्वारा किशनपुर से चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य हाथ लगने पर पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। चैकिंग के दौरान पुलिस को सिकरोडा रोड के पास बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया।

पुलिस ने जब उसके उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम साहनवीर पुत्र अल्लाउदीन निवासी ग्राम निवादा रोलाहेडी थाना कलियर बताया। जब उससे बाइक के कागजात तलब किये गये तो वह दिखाने मे कासिर रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि यह बाइक उसने 30 दिसम्बर को किशनपुर जमालपुर से अपने साथी रिजवान के साथ चोरी की थी। बताया कि मैं अपने साथी रिजवान के साथ मिलकर अलग-अलग स्थानो से मोटरसाईकिले चोरी करने का काम करता हूं। चोरी की गई मोटरसाइकिल को हम किसी सुनसान स्थान पर छुपाकर रख देते है व सौदा होने पर हम राह चलते लोगो को औने-पौने दामो मे बेचकर पैसे आपस मे बांट लेते है। आरोपी की निशादेही पर पुलिस ने चुरायी गयी अन्य 10 मोटर साइकिल बरामद की है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वहीं आरोपी के साथी रिजवान की तलाश में छापेमारी जारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।